COURSE :- BACHELOR OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (BLIS)

PAPER :- 3RD

TOPIC :- IMPORTANT DEVICES (प्रमुख विधियाँ)

उद्देश्य :- इस पाठ में सी.सी. एवं डी.डी.सी. में प्रयुक्त प्रमुख विधियों को समझाया गया है ।

PREPARED BY :- DINESH SINGH, CHIEF COORDINATOR, LIBRARY SCIENCE, NOU

प्रमुख विधियाँ

(Important Devices)

स्मृति-सहायक विधि (Mnemonic device)

स्मृति-सहायक विधि का अर्थ एक ही विचार या धारणा या उससे मिलते-जुलते विचार अथवा धारणा को अभिव्यक्त करने के लिए एक मुख्य वर्ग में जिस अंकन का प्रयोग किया गया है, यदि उसी अंकन का प्रयोग उसी प्रकर के विचार या धारणा के लिए, अन्य मुख्य वर्गों में भी किया जाता है, तो अंकनों के इस प्रकार का प्रयोग स्मृति-सहायक (Mnemonic device) विधि कहलाता है। यह कोई आवश्यक नहीं है कि उस विशिष्ट अंकन का अनुक्रम प्रत्येक मुख्य वर्ग में एक सा ही हो, उस अंकन का विभिन्न अनुक्रम में प्रयोग करने पर भी वह समान विचार या धारणा को ही अभिव्यक्त करता है। कोलन वर्गीकरण पद्धति में अंकन 1 का स्मृति सहायक प्रयोग अनेक मुख्य वर्गों में एक ही प्रकार के विचार या धारणा को अभिव्यक्त करने के लिए हुआ है। संसार में जिस किसी विचार या धारणा का बोध एक होता है उसके लिए इस पद्धति में अंक-1 का प्रयोग हुआ है। जैसे— God, Unity, World, President आदि से एक का बोध होता है, चूँकि किसी राष्ट्र का राष्ट्रपति एक ही होगा, संसार भी एक ही है एवं ईश्वर भी एक हैं। इनके लिए संबंधित मुख्य-वर्गों के पक्षों में अंकन 1 का प्रयोग किया गया है।

World History - V1

President of India - V44, 1

God in Hinduism - Q2 : 31 यहाँ अंकन 1 भिन्न-भिन्न अनुक्रमों को अभिव्यक्त करता है, क्योंकि एक ही विचार भिन्न-भिन्न पक्षों के लिए प्रयुक्त हुआ है।

इसी तरह ऊर्जा (Energy) पक्ष की एकल संख्या 4 का प्रयोग बीमारी (Disease) के लिए मुख्य वर्ग I-Botany, K-Zoology L-Medicine तथा मुख्य वर्ग Y-Sociology में Social Pathology के लिए समान अर्थों में किया गया है।

जैसे — Plant Disease I : 4

Animal Disease K : 4

Human Disease L : 4

Social Disease (Problem) Y : 4

Scanned with CamScanner

इसमें स्मृति सहायक अंकन 4 का प्रयोग हुआ है। इसी प्रकार Energy पक्ष की एकल संख्या 2 एवं 3 का प्रयोग क्रमशः Morphology एवं Physiology के लिए मुख्य वर्ग I-Botany, G-Biology, K-Zoology, L-Medicine, Y-Sociology, V-History आदि विषयों में किया गया है।

डी. डी. सी. (DDC) में इस विधि का प्रयोग

यद्यपि डी. डी. सी. परिगणनात्मक वर्गीकरण पद्धति है फिर भी उसमें इस विधि का प्रयोग किया गया है। इसके लिए टेबुल-1-Standard Sub-division तथा भौगोलिक उपविभाजन सारणी - Table-2 का प्रावधान है, जैसे-

Encyclopaedia of Social Sciences	300.3
Encyclopaedia of Economics	330.03
Encyclopaedia of Physics	530.03

इसी तरह History of India 9 + 54 = 954

Geography of India 91 + 54 = 915.4

अंकन 5 का प्रयोग भाषा के व्याकरण के अर्थ में हुआ है

Grammar of English 42 + 5 = 425

Grammar of French 44 + 5 = 445

Grammar of Sanskrit 491.2 + 5 = 491.25

इन उदाहरणों में Encyclopaedia एवं Grammar हेतु अंकन 3, एवं 5 का प्रयोग क्रमशः समान रूप से सभी मुख्य वर्गों के साथ हुआ है। यह स्मृति-सहायक विधि का उदाहरण है।

अध्यारोपण विधि (Super Imposition Device)

इस विधि से तात्पर्य है कि किसी एक वस्तु पर किसी दूसरे वस्तु को अध्यारोपित करना अथवा रखना। जब किसी विषय का वर्गांक (Class Number) निर्मित करते समय एक ही पक्ष के दो एकल (Isolate) अंकों अथवा एक एकल की दो उप-एकलों (Sub-Isolate) की उपस्थिति होने पर दोनों को एक साथ संयोजित कर अलग व्यक्तित्व प्रदान करने के लिए अध्यारोपण विधि, जिसे संक्षेप में S.I.D. कहा जाता है, का प्रयोग किया जाता है। दो एकलों के बीच संयोजक चिह्न '-' Hyphen का प्रयोग किया जाता है, वर्गांक निर्मित करते समय दो एकलों में से प्रधान एकल को पहले स्थान दिया जाता है और गौण एकल को बाद में, जैसे —

Rural Women Y15-31

Rural & Urban Sociology Y31-3

Hindu Youth Y73 (Q2)-12

Ratina of Eye L185-17

Bone of Leg L134-82

Scanned with CamScanner

एक ही पक्ष के दो एकलों में अनुक्रम (Sequence) निर्धारित करते समय निम्नलिखित नियमों को ध्यान में रखना चाहिए।

1. सामान्यतः अनुसूची (Schedule) में पहले वर्णित एकल संख्या को पहले और बाद में वर्णित एकल संख्या को '-' Hyphen चिह्न के बाद रखना चाहिए। जैसे कि Bone of Leg मुख्य-वर्ग Medicine के पक्ष में Leg का एकल संख्या मुख्य वर्ग Medicine के व्यक्तित्व पक्ष (Personality facet) में Bone से पहले स्थान दिया गया है। अतः, वर्गांक निर्माण के समय मुख्य वर्ग के बाद Leg का अंकन 134 का स्थान दिया गया उसके बाद '-' Hyphen चिह्न के बाद Bone का अंकन 82 का स्थान दिया गया है। इससे अर्थ भी स्पष्ट होता है। इनका संयोजन बोधगम्य अर्थ भी व्यक्त करता है।

2. यदि उपरोक्त विधि से निर्मित अंकन से बोधगम्य अर्थ नहीं निकलता हो, तो इस अनुक्रम को बदल कर प्रयोग में लाना चाहिये, ऐसी स्थिति में अनुसूची में बाद में वर्णित एकल को पहले तथा पहले वर्णित एकल को बाद में रखना चाहिये। जैसे-Women Education at University Level - T55-4 इस वर्गांक के अनुसार T55-Women Education को पहले और 4-University Education को बाद में रखा गया है, जबकि मुख्य-वर्ग-'T' Education के Personality पक्ष में 4-University Education का स्थान 55-Women Education से पहले हैं।

पक्ष विधि (Facet Device)

ज्ञान-जगत् के लगातार विकास के कारण वर्गीकरण-पद्धति के अंकनों पर बढ़ते दबाव को कम करने में इस विधि का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इस विधि के द्वारा मूल विषय को उसमें नीहीत विशेषताओं के अधार पर विभिन्न पक्षों में विभाजित किया जाता है। प्रत्येक पक्ष के लिए अलग-अलग योजक चिह्न निर्धारित किए जाते हैं, जिससे कि अंकन के स्तर पर उन्हें अलग-अलग व्यक्त किया जा सके। हम जानते हैं कि कोलन वर्गीकरण पद्धति में पाँच पक्षों (PMEST) का प्रावधान किया गया है और प्रत्येक के लिए अलग-अलग चिह्न निर्धारित किया गया है। जैसे—Classification of Manuscript in University Library of India is 1985 234; 12 : 51.44' N85

यद्यपि डी. डी. सी. पक्षात्मक वर्गीकरण पद्धति नहीं है फिर भी इसके कुछ मूल विषयों में इस विधि का प्रयोग दिखाई पड़ता है

English Drama of Early Elizabethan Period - 82 + 2 + 1 = 822.1

History of Gupta Period - 9 + 34 + 6 = 934.6

Words of English 42 + 81 = 428.1

रिक्त स्थान विधि (Gap Devices)

इस विधि के द्वारा पंक्ति एकलों में दो वर्गों के वर्गांकों के बीच स्थान रिक्त छोड़ दिया जाता है, ताकि आने वाले समय में उससे संबंधित नये विषयों को इनके बीच उपयुक्त स्थान दिया जा सके। ऐसा ही रिक्त-स्थान दो शृंखला एकलों (Chain Isolates) के बीच भी छोड़ा जा सकता है। इस विधि के द्वारा पंक्ति एवं शृंखला में अंतर्निवेश (Interpolation) तथा वहिर्निवेश

Scanned with CamScanner

(Extapolation) दोनों संभव है। इस विधि का प्रयोग Library of Congress वर्गीकरण-पद्धति में बड़े स्तर पर किया गया है। कोलन वर्गीकरण पद्धति में भी इस विधि का प्रयोग किया गया है जैसे-

Rural Sociology - Y31

Urban Sociology - Y33

City Sociology - Y35

खण्ड विधि (Sector Device)

इस विधि में रिक्त अंकों की सहायता से पंक्ति एकलों (Array Isolates) की क्षमता में असीमित वृद्धि की जा सकती है। इस विधि के द्वारा पंक्ति में वहिर्निवेश (Extrapolation) संभव है। डॉ. रंगनाथन ने कोलन वर्गीकरण पद्धति में मिश्रित अंकन के आधार के साथ इसका सफलतापूर्वक प्रयोग किया है। इस विधि के निर्माण का आधार उन्हें दशमलव वर्गीकरण पद्धति से प्राप्त हुआ है। इस विधि में अंक 1 से 8 का प्रयोग किया जाता है, जब किसी पंक्ति में 8 से अधिक एकलों को स्थान देने की आवश्यकता होती है तो वहाँ 9 का प्रयोग किया जाता है जैसे–

1	2	3	4	5	6	7	8	(1 से 8 तक का प्रयोग)
91	92	93	94	95	96	97	98	(9 से 16 तक का प्रयोग)
991	992	993	994	995	996	997	998	(17 से 24 तक का प्रयोग)

विधियों से लाभ (Advantages of devices)

1. विषयों की पंक्ति एवं शृंखला में असीमित संख्या में एकलों के निर्माण में मदद मिलती है जिससे कि पंक्ति एवं शृंखला में ग्राह्यता (Hospitility) उत्पन्न होती है।

2. इसके प्रयोग से वर्गीकरण पद्धति की अनुसूचियों का आकार छोटा हो जाता है।

3. इससे वर्गकार को असीमित स्वायत्ता (Autonomy) प्राप्त हो जाती है जिससे वह विस्तृत वर्गांक निर्मित कर सकता है।

Scanned with CamScanner